



WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. General Part-I Examination, 2019

SANSKRIT

PAPER-SANG-I

Caoual



Time Allotted: 3 Hours

Full Marks: 100

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

Unit-I

[Marks: 10]

1. (a) Define and illustrate any **three** from the following metres: 2×3 = 6
निम्नलिखित ये-कोनो **तिन** छन्देर लक्षणसह उदाहरण दाओः
मालिनी, उपेन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता, द्रुतविलम्बित, भुजङ्गप्रयात।
- (b) Scan and define any **two** from the following metres: 2×2 = 4
निम्नलिखित ये-कोनो **दु** छन्देर गणविभाग पूर्वक छन्द निर्णय करोः
(i) पर्युत्सुको भवति यत् सुखितोऽपि जन्तुः।
(ii) अनाघातं पुष्पं किसलयमलूनं करुरुहैः।
(iii) इदं किलाव्याजमनोहरं वपुः।
(iv) एवमाश्रमविरुद्धवृत्तिना।

Unit-II

[Marks: 10]

2. (a) Decline any **five** from the following: 1×5 = 5
निम्नलिखित ये-कोनो **पाँच** शब्दरूप निर्णय करोः
(i) फल in प्रथमा द्विवचन।
(ii) अस्मद् in पञ्चमी द्विवचन।
(iii) पितृ in तृतीया एकवचन।
(iv) मुनि in तृतीया बहुवचन।
(v) युष्मद् in प्रथमा द्विवचन।
(vi) नदी in सप्तमी बहुवचन।
(vii) वारि in पञ्चमी द्विवचन।
(viii) तद् (पुं) in पञ्चमी बहुवचन।
- (b) Conjugate any **five** from the following: 1×5 = 5
निम्नलिखित ये-कोनो **पाँच** धातुरूप लेखोः
(i) √गम् in लङ् 3rd person singular.
(ii) √कृ in लोट् 2nd person dual.

- (iii) √सेव् in लङ् 3rd person singular.
- (iv) √पठ् in विधिलिङ् 2nd person singular.
- (v) √मृ in लट् 1st person plural.
- (vi) √हन् in लट् 2nd person singular.
- (vii) √दृश् in लृट् 3rd person singular.
- (viii) √हस् in लङ् 1st person plural.

Unit-III

[Marks: 40]

3. (a) Narrate the episode of Brahmacārin as you find in the first act of 'Svapna vāsavadatta' and discuss its dramatic significance. 12
- ‘स्रपवासवदत्तम्’ नाटकेर प्रथम अङ्क अनुसारे ब्रह्मचारीवृत्ताञ्च वर्णना करो एवञ्च तार नाटकीय तात्पर्य आलोचना करो।

OR/ अथवा

- Analyse the special traits of the character of Udayana. 12
- उदयनेर चरित्रेर वैशिष्ट्य विश्लेषण करो।

OR/ अथवा

- Critically discuss Bhāsa as a dramatist. 12
- नाट्यकार हिसाबे भासेर मूल्यायन करो।

- (b) Translate into Bengali or English any **one** from the following: 6×1 = 6

निम्नलिखित ये-कोनो **एक**टि श्लोकेर बाङ्गलाय अथवा इङ्ग्राजीते अनुवाद करोः

- (i) परिहरतु भवान् नृपापवादं
न परुषमाप्रमवासिषु प्रयोज्यम्।
नगरपरिभवान् विभोक्तुमेते
वनमभिगम्य मनस्विनो वसन्ति।

- (ii) नैवेदानीं तादृशाश्चक्रवाका
नैवाप्यन्ये स्त्रीविशेषैर्वियुक्ताः।
धन्या सा स्त्री यां तथा वेत्ति भर्ता
भर्तृस्नेहाद् या हि दग्धाप्यदग्धा॥

OR/ अथवा

- Write short notes on any **two** from the following: 3×2 = 6

निम्नलिखित शूलिर मध्ये ये-कोनो **दु**टिर संक्षिप्त टीका लेखोः

दर्शक, समुद्रगृह, आरुणि, वसन्तक।

- (c) Explain with reference to the context any **one** from the following: 7×1 = 7

निम्नलिखित ये-कोनो **एक**टि श्लोकेर सप्रसङ्ग व्याख्या करोः

- (i) प्रद्वेषो बहुमानो वा सङ्कल्यादुपजायते।

भर्तृदाराभिलाषित्वादस्यां मे महती स्वता॥

(ii) सविश्रमो ह्ययं भारः प्रसक्तस्तस्य तु श्रमः।

तस्मिन् सर्वमधीनं हि यत्रोधीनो नराधिपः॥

4. (a) Write in your own words the advice delivered by Śukanāsa to Candrāpīda from your text 'Śukanāsopadeśa'.

10

তোমাদের 'শুকনাসোপদেশঃ' পাঠ্যাংশে চন্দ্রাপীড়কে প্রদত্ত শুকনাসের উপদেশ নিজের ভাষায় লেখো।

OR/ অথবা

Estimate Bāṇabhaṭṭa as a poet.

কবি হিসাবে বানভট্টের মূল্যায়ন করো।

(b) Translate into Bengali or English any *one* of the following:

5×1 = 5

নিম্নলিখিত যে-কোনো *একটি* অনুচ্ছেদের বাংলা অথবা ইংরাজীতে অনুবাদ করোঃ

(i) मिथ्यामाहात्म्यगर्वनिर्भराश्च न प्रणमन्ति देवताभ्यः, न पुजयन्ति द्विजातीन्, न मानयन्ति, मान्यान्, नार्चयन्त्यर्चनीयान्, नाभिवादयन्ति अभिवादनाहान्।

(ii) द्युतं विनोद इति, परदाराभिगमनम् वैदग्ध्यमिति, मृगया श्रम इति, पानं विलास इति, प्रमत्तता शौर्यमिति, स्वदारपरित्यागः अव्यसनितेति, गुरुवचनावधीरणमपरप्रणयेत्वमिति।

Unit-IV

[Marks: 15]

5. (a) Account for the case-ending in any *six* from the following underlined words:

1×6 = 6

নিম্নলিখিত যে-কোনো *ছয়টি* পদের কারক বিভক্তি নির্ণয় করোঃ

(i) छात्रः मासेन व्याकरणम् अपठत्।

(ii) नारयणाय नमः।

(iii) बालकः पुष्पेभ्यः स्पृहयति।

(iv) स हि काकात् अपि कृष्णः।

(v) अस्माभिः चौरः दृष्टः।

(vi) रामेण सह सीता वनं जगाम।

(vii) दुग्धस्य पानम्।

(viii) वानराः वने निवसन्ति।

(ix) सूर्ये अस्तमिते विहगाः नीडम् प्रत्यागच्छन्ति।

(x) अशोक इति राजा आसीत्।

(b) Illustrate the uses of any *two* from the following:

2×2 = 4

নিম্নলিখিত যে-কোনো *দুটি* প্রয়োগের উদাহরণ দাওঃ

(i) येनाङ्गविकारः।

(ii) क्रियाविशेषणे द्वितीया।

(iii) तथायुक्तं चानीप्सितम्।

(iv) ल्यब्लोपे कर्मण्यधिकरणे च।

(c) Join in Sandhi any *two* from the following:

1×2 = 2

নিম্নলিখিত যে-কোনো *দুটির* সন্ধি করোঃ

(i) मुनिः + इह, (ii) रमा + ईशाः, (iii) मनस् + ईषा, (iv) विधु + उदयः।

(d) Disjoin in Sandhi any *three* of the following:

1×3 = 3

निम्नलिखित ये-कोनो *तिन* सन्धि विच्छेद करोः

(i) पवनः, (ii) अद्यापि, (iii) सैव, (iv) महानाग्रहः, (v) पितारक्ष, (vi) नद्यम्बु।

Unit-V

[Marks: 25]

6. Translate the following passage into Sanskrit:

10

निम्नलिखित अनुच्छेदটি সংস্কৃতে অনুবাদ করো:

Peacock is the national bird of India. It is a very beautiful bird. Peacocks are of bright greenish-blue colour.

ভারতের জাতীয় পাখি হল ময়ূর। ময়ূর খুব সুন্দর একটি পাখি। ময়ূরের গায়ের রং উজ্জ্বল সবজে নীল হয়।

OR/ অথবা

Subhas Chandra Bose was a great and very brave freedom fighter of India. He was born on January 23, 1897 in Cuttack. He went to jail several times.

সুভাষচন্দ্র বসু ভারতের একজন মহান এবং অত্যন্ত সাহসী স্বাধীনতা সংগ্রামী ছিলেন। তিনি ২৩ জানুয়ারী, ১৮৯৭ সালে কটকে জন্মগ্রহণ করেছিলেন। তিনি একাধিকবার কারাবরণ করেছিলেন।

7. Read the following passage and answer the questions given below in Sanskrit:

15

निम्नलिखित अनुच्छेदটি पढ़ो एवं प्रदत्त प्रश्नগুলির উত্তর সংস্কৃতে দাও:

अस्ति गौतमस्य महर्षस्तपोवने महातपा नाम मुनिः। तेनाश्रमसन्निधाने मूषिकशावकः काकमुखात् भ्रष्टो दृष्टः। ततः स्वभावदयात्मना तेन मुनिना नीवारकणैः संवर्धितः। ततो विडालस्तं मूषिकं खादितुमुपधावति। तमवलोक्य मूषिकस्तस्य मुनेः क्रोडं प्रविवेश। ततो मुनिनोक्तम्— मूषिक, त्वं मार्जारो भव। ततः स विडालः कुक्कुरं दृष्ट्वा पलायते। ततो मुनिनोक्तम्— कुक्कुराद बिभेषि ? त्वमेव कुक्कुरो भव। स कुक्कुरो व्याघ्राद् बिभेति। ततस्तेन मुनिना कुक्कुरो व्याघ्रः कृतः।

(i) कस्य आश्रमसन्निधाने मूषिकशावकः पतितः ?

2

(ii) को नाम मुनिः कथं मूषिकशावकं पालितवान् ?

4

(iii) कथं मुनिः मूषिकशावकं क्रमेण विडालं कुक्कुरं व्याघ्रं च कृतवान् ?

5

(iv) मूषिकशावकः कृतः भ्रष्टः अभवत् ?

2

(v) काकमुखात् भ्रष्टः मूषिकशावकः विडालभयात् कुत्र आश्रयार्थं प्रविष्टः ?

2

— x —